

हिन्दी विभाग

रेणु व अज्ञेय जयंती

04 मार्च 2024

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में दिनांक 04 मार्च 2024 को विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ० रमेश टण्डन के निर्देशन में फणीश्वर नाथ रेणु (जन्म 04 मार्च) और स० ही० वा० अज्ञेय जी (जन्म 07 मार्च) की जयंती मनाई गई। रेणु जयंती की संयोजक प्रो० कुसुम चौहान एवं अज्ञेय जयंती की संयोजक प्रो० अंजना शास्त्री के मार्गदर्शन में सर्वप्रथम मंचासीन छात्र-छात्राओं ने माँ शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके जयंती का श्रीगणेश किया। सुनिता मिरी एवं बुबुन घृतलहरे ने छत्तीसगढ़ के राज्य गीत की प्रस्तुति दी। छाया राठौर के मंच संचालन में रेणु जयंती के मंचासीन छात्र मुख्य अतिथि रितिक साहू, अध्यक्ष श्रेया सागर, विशिष्ट अतिथि चतुष्टय शशिकला महंत, कविता साहू, मुकेश कुमार व बुबुन घृतलहरे एवं अज्ञेय जयंती के छात्र मुख्य अतिथि प्रकंज डनसेना, अध्यक्ष छाया डनसेना, विशिष्ट अतिथि रुखमणी राठिया, गणेशी राठिया, देविका राठिया, अभिका राठिया, मनीषा डनसेना, अर्चना राठौर के स्वागत उपरान्त इन सभी मंचासीन छात्रों ने संयोजक के द्वारा आबंटित अलग-अलग शीर्षकों पर भाषण दिया। द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में शामिल प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास मैला आँचल के लेखक श्री फणीश्वर नाथ रेणु की जयंती के लिए द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को मंच प्रदान किया गया और इन्होंने रेणु जी के समग्र व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। इसी तरह चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में समाहित प्रयोगवाद के प्रवर्तक व 1943 में तार सप्तक के संपादक सचिवदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी के सम्पूर्ण व्यक्तिगत एवं साहित्यिक परिचय इन छात्रों से प्राप्त हुआ।

छात्रों के सर्वांगीण विकास, विषय के प्रति ज्ञान अभिवृद्धि, वाक्तृत्व कला विकास एवं मंचीय कर्तव्य बोध की दिशा में कार्य करने के उपरान्त विभागीय शिक्षकों में प्रो० अंजना शास्त्री, प्रो० कुसुम चौहान तथा डॉ० आर के टण्डन ने भी विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला। अंत में दोनों ही साहित्यकारों पर अपनी बात रखते हुए छात्र यामिनी राठौर ने छात्र अतिथियों तथा शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंचासीन छात्रों के अतिरिक्त व्यवस्थापक छात्रों एवं विभागीय छात्रों में रोहित कुमार चन्द्रा, भूपेन्द्र राठिया, हेमलता सिदार, राजेश्वरी, पिंकी साहू, सुनिता मिरी, छाया राठौर, यामिनी राठौर आदि की गरिमामय एवं सार्थक उपस्थिति रही।







ज्ञान योगी किसानों के साथ- देने की शोषणा की।

छायाचक्र में कुम आपत कर की छड़ी में इधर से प्रार्थन गुब्ला (आईएप्रैल) शामिल प्रद्युम्निलि है और शोजाकृष्ण करते हुए दिवाल आन्सा को लुट।

हिन्दी विभाग खरसिया में मनाई गई रेणु त अज्ञोय जयंती

» छात्रों को ही मुख्य अतिथिए अध्यक्ष बनाकर मंचस्तीन दिया गया

दर्शकालीकन्धन

शामकीय भड़ावा गांधी स्नानकोठ महानियालय विभाग के हिन्दी विभाग एवं दुर्गासंगठ में ऐसे विभिन्न अविलोक्यों की जारी मराने में मुख्यमन्त्री हैं जो ए प्रद्युम्नी के पाठ्यक्रम में समाहित होते हैं। इस काली में दिनांक ०४ मार्च २०२४ को विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. रमेश टाट्टडल के निदेशन में कार्यपाल नाथ रेणु जन्म ०४ बर्च १९८८ और ज्ञ. हैं, वा. अवृद्ध जन्म ०२ बर्च १९८८ की जन्मती हिन्दी विभाग के छात्रों ने मनाई।

रेणु जन्मती की संवेदनक प्रेरणा, कुमुम चौहान एवं अंजन जन्मती की संवेदनक है, अंशन शहरी के मानवशंसन में सत्रप्रधान वंचस्तीन घरव-नक्ताओं ने यह जाते की प्रतिक्रिया के माध्यम द्वारा प्रवर्तित करके जयती का गर्वण किया। सुनित निरो एवं बुद्धुन बुकलहरे छात्रोंसाह यज्ञ गीत की प्रस्तुति है।

छात्र गाँवर के नये संवालन में रेणु जयती के मंचस्तीन छात्र मुख्य अतिथि प्रियक ताहु, अल्पश श्रेष्ठ शाम, विशेष अंतिष्ठि चतुर्थ अंकिल महंत, कविता महु, नुकेश कुमार व बद्धुन युवतीहरे एवं अंजन जयती के छात्र मुख्य अंतिथ प्रकान इनसेना, अथवा छात्र इनसेना, विशेष अंतिष्ठि लखमणी गतिवा, गगेशी गतिवा, देविका गतिवा, अम्बिका गतिवा, मनीषा



उनसेना, अंजन गाँवर के स्वागत उमरान इन सभी मंचस्तीन छात्रों ने संवेदनक के द्वारा आवर्तित अल्प, अल्प शीघ्रको या भाषण किया।

दिनांय संमेस्टर के पाठ्यक्रम में रुमिल ग्रसिद्ध आंचलिक उपनाम नैता औचल के लेखक छात्रोंशर नाथ रेणु की जयती के लिए हिन्दी संमेस्टर के छात्रों को मार्च द्वयन किया गया और इहोने रेणु के समान व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान पर लक्ष्य प्रस्तुत किया। इसी तरह चतुर्थ

संमेस्टर के पाठ्यक्रम में समाहित प्रयोगबद्द के प्रवर्तक व १९४३ में गार मालक के संपादक साहित्यवनन लीगनद चात्स्वामन अंदर के सम्पूर्ण अविकृत एवं साहित्यगत परिचय इन छात्रों से प्राप्त हुआ। छात्रों के संवादीन विकास, विषय के प्रति ज्ञान अभिवृद्धि, बाह्यकाल कला विकास एवं मंचों कर्तव्य वीथ की दिशा में कार्य करने के उमरान विभागीय शिक्षकों में प्रो. अंजन शास्त्री, जो कुमुम छात्र तथा डॉ. आर के टप्पुन में भी विषय पर

विस्तृत प्रकाश दाता।

अंत में लेनो ही सहितकारों पर लक्ष्य अत रहते हुए छात्र यमिनी गाँवर ने छात्र अविकृत तथा शिक्षकों का आधार लक्ष किया। मंचस्तीन छात्रों के अंतिम अवक्षणक छात्रों एवं विभागीय छात्रों में रोडित जून बन्दा, मौसूल गतिवादी हमवाह सिदर, राजेधरी, बिला साहू, दुनिवा मिरी, ज्येष्ठ गटीर, यमिनी गाँवर जादि की गरिमामय एवं सादक उर्द्धवति रही।